REFERENCE TO THE DELAY IN DECLARATION OF RESULTS OF CERTAIN EXAMINATIONS BY THE DELHI UNIVERSITY.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, Shrimati Veena Verma. She is making her maiden speech.

श्रीमती वीणा वर्मा (मध्य प्रदेश) : माननीय उपसभापति महोदय, मैं आपका और सदन का ध्यान वर्तमान दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रशासनिक ढांचे की एक गंभीर अनियमितता और लापरवाही की ओर दिलाना चाहती हूं, चूंकि इससे देश की युवा पीढ़ी, खासतौर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के करीब बीस से पच्चीस हजार छात्रों के भविष्य का सवाल जुड़ा हुआ है।

इस परिप्रेक्ष्य में 30 जुलाई दिल्ली से प्रकाशित होने वाले एक समाचार पत्र में प्रकाशित खबर के मुताबिक दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों ने, बी०ए० पास, व बी०काम० पास परीक्षाओं के परीक्षाफल अभी तक घोषित नहीं किये जाने के विरुद्ध अपना क्षोभ प्रकट किया है। दूसरे विषयों जैसे बी० एस० सी० आनर्स, बी० एस० सी० जनरल, बी० कामo बी० ए० ओनर्स के परीक्षा फल घोषित हो चुके हैं।

विश्वविद्यालय के छात्रों के एक प्रतिनिधि मंडल ने विश्वविद्यालय के उपकुलपति डा० मुनिस रजा से मिलकर इस गंभीर समस्या की ओर ध्यान दिलाते हुए अघोषित परीक्षा परिणामों को तुरंत घोषित करने की मांग की है। उपसभापति महोदय, उल्लेखनीय है कि परीक्षा परिणामों में इस विलम्ब के कारण 25 हजार छात्रों का भविष्य अधर में लटका हुआ है। वे परिणाम न निकलने से अपने आगे की कक्षाओं की पढ़ाई के बारे में सोच नहीं पा रहे हैं। जाहिर है जब तक रिजल्ट नहीं निकलते तब तक वे अगली कक्षाओं में प्रवेश भी नहीं ले सकते। इस तरह वे काफी उलझन, तनाव और गुस्से के दौर से गुजर रहे हैं। गहराई से विचार किया जाय तो उनका यह गुस्सा जायज है क्योंकि वे सभी अपने भविष्य की खोज में प्रयत्नशील हैं। इस दिशा में परीक्षा परिणाम का न निकलना मार्ग में बहुत बड़ा रोड़ा है।

उपसभापति महोदय, ध्यान देने की बात है कि पिछले सत्र 1985-86 में अध्यापकों की 75 दिन की हड़ताल के कारण छात्रों की शिक्षा-दीक्षा में काफी व्यवधान आया। इसीलिए देर से इम्तहान भी हुए और फलतः परिणाम भी अभी तक नहीं निकले हैं। इसमें शिक्षकों की यह भूमिका भी अहम रही है कि उन लोगों ने सेंटर पर आकर कापियां जांचने में अपनी असहमति प्रकट की थी। अखबार के समाचार के अनुसार कांग्रेस छात्र विंग दिल्ली शाखा के महामंत्री ने कहा है कि परीक्षा की कापियां समय से जांचने के बाद भी विश्वविद्यालय परीक्षाफल के प्रकाशन में देर कर रहा है। अतः ये सारी चीजें परीक्षा परिणाम में बाधक बनी हैं।

पिछली 14 जुलाई 1986 से दिल्ली विश्वविद्यालय के कालेज खुले हैं पर हालत यह है कि 16 दिन बीत जाने पर भी अभी तक कालेज कम्पाउण्ड में पढ़ने लिखने का माहौल नहीं बन सका है। कुछेक कालेजों में छिटपुट पढ़ाई आरम्भ है। इसके बारे में मेरा पहला सुझाव यह है कि जिन छात्रों का अभी तक रिजल्ट नहीं निकला है, उनके लिए अगली कक्षाओं में पढ़ाई के दौरान इस बात का ध्यान रखा जाये कि उन्हें कोर्स पूरा कराने के लिए उनकी विशेष कक्षाएं लगाई जायें ताकि वे कोर्स को अपने समय से पूरा कर सकें।

उपसभापति महोदय, मेरे ख्याल से अब समय आ गया है कि विश्वविद्यालय प्रशासन, परीक्षा परिणामों की अनियमितताओं के बारे में गंभीरतापूर्वक विचार करके कोई ठोस कदम उठाये ताकि आने वाले सत्रों के परीक्षा परिणामों में छात्रों को इस तरह की उलझन का सामना न करना पड़े।

उपसभापति महोदय, इस संदर्भ में दूसरा सुझाव है कि विश्वविद्यालय का प्रशासन जिस तरह, समय से परीक्षा कराने के लिए निश्चित तिथि घोषित करता है, उसी तरह उसे समयबद्ध परीक्षा परिणामों को घोषित करने की तिथि भी निश्चित करनी चाहिए।

संक्षेप में यहां आप सभी का ध्यान शिक्षा जगत से जुड़ी इस गंभीर समस्या की ओर दिलाना चाहती हूं ताकि इसके बारे में कोई समाधान शीघ्र निकाला जा सके जिससे छात्रों का भविष्य और उनका कीमती समय बचाया जा सके।

1.00 P.M.

REFERENCE TO THE CONTAMINATION OF VACCINE RESULTING IN DEATH OF CHILDREN

PROF. (MRS.) ASIMA CHATTERJEE (Nominated) : Sir, I would like to draw the attention of the Government through you to the incidents of tragic death of the two children at Dharampuri a few days ago and also to inform the Government that 68 children have been lying in serious condition in the hospital after vaccination, since July 28. This is due to contamination of the toxic chemicals with the vaccine. This report appeared in the Times of India' and also in the 'Indian Express' yesterday, that is on July 31. When the death of the two children was reported by the District Collector, Health Secretary, Shri R. Shanmugam, asked two doctors from the institute of Child Health to investigate the cause of death. They rushed to Dharampuri. The Additional Director of Public Health also visited the hospital.

According to the District Collector's report, 193 children in Nayakankottai village were covered by the immunisation programme on July 23 (this year). Four days later, 65 of them were brought to the Dharampuri hospital with symptoms of diarrhoea and vomiting. By July 28 a total of 108 children with the same symptoms had been admitted to the hospital. This toxic action is due to contamination of the vaccine with toxic chemicals which have caused this disaster.

This is not the first incidence. Several such calamities had happened in the past and had been brought to the notice of the Government. My humble submission is, Sir, that the Drug Controller should be kept alert and should not issue the licence to the drug manufacturers preparing such vaccines. if they do not declare the impurity and trace impurity in the vaccine. The Drug Controller should ask the manufacturers to appoint an Analytical Chemist so that the reports on the complete analysis of the vaccine are available. The Analytical Chemist can find out what are the impurities present therein which are toxic.

Lastly, Sir, I would like to say that this can readily be done by the scientific method, by thin layer chromatography technique, by gas liquid chromatographic analysis and by the help of spectrophotometry. These experiments can be carried out in a very short time, within 15 minutes at least 100 samples can be analysed. The doctors must examine the children before vaccinating. They must see the tolerance of the children whether the children are alergic to the vaccination.

Sir, considering the seriousness of the situation, I would request the Government through you to give a directive to the Drug Controller to insist upon submitting the reports of the detailed testing of drugs and also to take stringent measures against those manufacturers who fail to do so.